एफ.एच.डी.–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2025 एवं जनवरी, 2026 सत्रों लिए)

जुलाई–2025 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2026
जनवरी–2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2026

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02
हिंदी में आधार पाठ्यक्रम–02

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02
कुल अंक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं!
'छायावाद' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान आपने जो कुछ सीखा और समझा है, उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1). ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2). अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3). बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख करें जैसे आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

दिनांक : ....

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
5. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
6. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator)के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :
जुलाई 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026
जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य के तीन खंड हैं और उसमें तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। भाषा विज्ञान या हिंदी भाषा के विशिष्ट विषयों से संबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले आपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप बिना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपको कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पाएँगे। निबंधात्मक प्रश्न में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो।
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य

(खंड 1 से 4 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02

सत्रीय कार्य कोड : एफ.एच.डी.–02/टी.एम.ए./जुलाई 2025–जनवरी 202

कुल अंक– 100

खंड–'क'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) सम्प्रेषण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 15

(ख) राहुल सांकृत्यायन के यात्रा वृतांत पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 15

(ग) अपने क्षेत्र के किसी सरकारी अस्पताल की स्थिति के बारे में संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कीजिए। रिपोर्ट के लिए निम्नलिखित तथ्यों से सहायता ले सकते हैं- 10

1) आसपास के गांवों के लिए अस्पताल

2) दो डाक्टर और दो नर्सें

3) मरीजों की भीड़

4) दवाइयों का अभाव

(घ) सरकारी पत्र का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए। 10

खंड–'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150–200 शब्दों में दीजिए।

(क) सामाजिक आदान-प्रदान के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए। 5

(ख) किसी भी एक विधा की रचना के लेखन का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए। 5

(ग) पत्र विधा के रूप में मुक्तिबोध के पत्रों का विश्लेषण कीजिए। 5

(घ) दृश्य माध्यमों की भाषा पर प्रकाश डालिए। 5

खंड–'ग'

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वैयक्तिक लेखन के रूप में 'आत्मकथा' की भाषा को उदाहरण सहित समझाइए। 5

(ख) 'निराला की साहित्य साधना' का प्रतिपाद्य लिखिए। 5

(ग) प्रोक्ति की संकल्पना को उदाहरण सहित समझाइए। 5

(घ) आपका मित्र गाड़ी चलाने का लाइसेन्स बनवाना चाहता है। उसे इस संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए लाइसेन्स बनवाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 5

(ङ.) “भाषा सूचना के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है।“ इस कथन पर विचार कीजिए। 5

(च) “हिंसा बुरी चीज है, पर दासता उससे भी बुरी है”। इस सूक्ति का भाव पल्लवन कीजिए। 5